

22/7/25

पत्रावली देरा दुर्ग। काश्चिद्वत्त। उक्तम्
पक्षकारान् मय उक्तम् पक्षकारान् अनुपास्थितम्।
रक्त-रक्त कर नीम वार आवाये पित्तवर्दिगदि।
सप्त सोम 5PM हो चुका है। अतः काश्चिद्वत्त।
उक्तम् पक्षकारान् मय पक्षकारान् के अनुपास्थितम्
रहने पर बाकी का वाफ एवं प्रतिवादी का
प्रतिवादी कल्प हाजरी एवं अल्प पैसों में खातिग
मिला जाता है। पत्रावली फॉसल सुमार लेकर रखकर
से कर दी।

मिठानि सुनाया गया।

